आध्यात्मिक सर्किट का पर्यटन विकास करेगी योगी सरकार

राब्यू, जागरण • लखनऊ : प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आध्यात्मिक सर्किट के पर्यटन विकास की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत सरकार पर्यटन स्थलों का सर्वेक्षण और टूरिस्ट गैप एनालिसिस (पर्यटक अंतर विश्लेषण) के जरिए आध्यात्मिक सर्किट को विकसित करेगी। उप्र पर्यटन नीति डाक्यूमेंट 2022 के अनुसार सात एस पर आधारित मानकों को ध्यान में रखते हुए यह काम किया जाएगा। इनमें सूचना, स्वागत, सुरक्षा, सुविधा, स्वच्छता व संरचना प्रमुख हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में आध्यात्मिक सर्किट के पर्यटन विकास के लिए तैयार की गई कार्ययोजना पर पर्यटन विभाग ने काम शुरू कर दिया है। काशी विश्वनाथ और अयोध्या धाम के विकास के बाद दोनों स्थानों पर पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इसके साथ ही अगले वर्ष प्रयागराज में महाकुम्भ का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कम से कम 30 करोड़ लोग हिस्सा ले सकते हैं। इसके मद्देनजर पर्यटकों की सही संख्या जानने के लिए टूरिस्ट गैप एनालिसिस के जरिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। पर्यटन विभाग प्रदेश में 12 पर्यटन सर्किटों के विकास पर भी काम कर रहा है।

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे का प्रशिक्षण

पर्यटन विभाग की तरफ से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे से जुड़े लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। पहले चरण में कांशीराम पर्यटन प्रबंध संस्थान लखनऊ में पीलीभीत, गाजियाबाद, मेरठ और प्रयागराज के 28 लोगों को प्रशिक्षण देने का कार्य पूरा कर लिया गया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि होम स्टे के लिए चयनित गांवों के लोगों को बारी-बारी से पांच दिन तक प्रशिक्षित किया जाएगा।